Date - 13-05-2020

Dr. Sanchlata

Asst. Professor (Guest faculty)

Dept. of Philosophy

Women's college, Samastipur

Email Id. - Snehababli 1987@gmail.com

Cont. no - 8409587640

Class - B.A. - I (Hons.)

Scanned with CamScanner

चार्वाक दर्शन (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(1.) → चार्वाक दर्शन किस प्रकार का दर्शन है?

(a) आस्तिक दर्शन (b) नास्तिक दर्शन

(c) आस्तिक व नास्तिक दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

(2.) → किस दर्शन का प्राचीन नाम लोकायतन है?

(a) जैन धर्म (b) चार्वाक दर्शन

(c) बौद्ध दर्शन (d) सांख्य दर्शन

(3.) → चार्वाक दर्शन पाँच तत्वों में केवल चार तत्वों को ही मानता है, निम्न में से किस तत्व को इस दर्शन में नहीं माना गया है?

(a) पृथ्वी (b) अग्नि

(c) आकाश (d) वायु

(4) → 'प्रत्यक्षम् किम् प्रमाणम्' किस दर्शन की उक्ति है?

(a) जैन दर्शन (b) चार्वाक दर्शन

(c) बौद्ध दर्शन (d) इनमें से कोई नहीं

(5) → इनमें से कौन केवल एकमात्र प्रमाण को ही मानता है?

(a) द्वैत (b) जैन

(c) अद्वैत (d) चार्वाक

(6) → चार्वाक के अनुसार चेतना का विकास होता है?

(a) आकाश से (b) भूत से

(c) मन से (d) प्राण से

Scanned with CamScanner

(7) → शताली ज्ञान की प्राप्ति के लिए चार्वाक स्वीकार करता है।

(a) शब्द प्रमाण (b) प्रत्यक्ष प्रमाण
(c) अनुमान (d) इनमें से कोई नहीं

(8) → चार्वाक इनमें से किस प्रमाण का खण्डन करता है?

(a) शब्द प्रमाण (b) अनुमान प्रमाण
(c) अर्थापत्ति (d) इन सभी का

(9) → चार्वाक के अनुसार व्याप्ति के सम्बन्ध को जाना जा सकता है।

(a) अनुमान व शब्द प्रमाण द्वारा (b) प्रत्यक्ष व अनुमान द्वारा
(c) शब्द व उपमान प्रमाण द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं

(10) → प्रत्यक्ष को ही ज्ञान का एकमात्र साधन मानने वाला कहलाता है।

(a) प्रत्यक्षवाद (b) वस्तुवाद
(c) एकमात्रवाद (d) देहात्मवाद

(11) → वस्तु की सत्ता ज्ञाता से पृथक व स्वतंत्र मानने वाला सिद्धान्त इनमें से है।

(a) देहात्मवाद (b) अनात्मवाद
(c) वस्तुवाद (d) इनमें से कोई नहीं

(12) → चार्वाक दर्शन का एक अन्य नाम है सकता है।

(a) सुखवादी दर्शन (b) दुःखवादी दर्शन
(c) ईश्वरवादी दर्शन (d) इनमें से कोई नहीं

(13) → "सफल जीवन वही है, जिसमें अधिक-से-अधिक सुखभोग हो" यह उक्ति किस दर्शन से सम्बन्धित है?

(a) बौद्ध दर्शन (b) जैन दर्शन
(c) चार्वाक दर्शन (d) इनमें से कोई नहीं

Scanned with CamScanner

(14) → चार्वाक के अनुसार विश्व का निर्माण हुआ है।

(a) चार भूतों के संयोग से (b) तीन भूतों के संयोग से

(c) दो भूतों के संयोग से (d) पाँच महाभूतों के संयोग से

(15) → व्याप्ति यदि अनुमान पर आधारित हो तो उसमें कौन-सा दोष होगा?

(a) चक्रक दोष (b) अन्योन्याश्रित दोष

(c) अतिव्याप्ति (d) इनमें से कोई नहीं

(16) → 'यावत जीवेत सुखं जीवेत ऋण कृत्वा घृतम पिबेत' उक्ति है

(a) जैन दर्शन की (b) बौद्ध दर्शन की

(c) मीमांसा की (d) चार्वाक दर्शन की

(17) → चार्वाक शब्द प्रमाण को अस्वीकृत करता है, क्योंकि

(a) इससे यथार्थ ज्ञान की प्राप्ति होती है।

(b) इससे अयथार्थ ज्ञान की प्राप्ति होती है।

(c) इससे सन्देहात्मक ज्ञान की प्राप्ति होती है।

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

(18) → असत्य कथन का चयन कीजिए।

(a) चार्वाक दर्शन प्रमाण विचार पर आधारित है।

(b) चार्वाक दर्शन में यथार्थ ज्ञान को महत्व दिया गया है।

(c) प्रत्यक्ष द्वारा यथार्थ ज्ञान प्राप्त होता है।

(d) चार्वाक मात्र दो प्रमाणों को स्वीकार करता है।

(19) → चार्वाक के मतानुसार जगत है।

(a) वास्तविक (b) अवास्तविक

(c) कहा नहीं जा सकता (d) इनमें से कोई नहीं

(20) → जगत के सन्दर्भ में चार्वाक का कौन-सा मत सही नहीं है?

(a) जगत की उत्पत्ति जड़ भूतों से हुई है।

(b) संसार जड़ तत्वों का आकस्मिक संयोग है।

(c) संसार की उत्पत्ति किसी प्रयोजन के लिए हुई है।

(d) चार्वाक का मत प्रत्यक्षवाद भी कहलाता है।

Scanned with CamScanner

(21) → निम्नलिखित में कौन - सा कथन असत्य है?

(a) चार्वाक दर्शन के अतिरिक्त अन्य दर्शन प्रत्यक्ष प्रमाण के अतिरिक्त कम - से - कम एक प्रमाण को मानते हैं।

(b) प्रमाण विचार चार्वाक दर्शन की दिशा निश्चित करता है।

(c) चार्वाक निकृष्ट सुखवादी है।

(d) चार्वाक दर्शन में आत्म सत्ता को स्वीकार किया गया है।

(22) → निम्नलिखित में कौन - सा कथन असत्य है?

(a) चार्वाक ईश्वर की सत्ता को सिद्ध करने के लिए अनुमान का सहारा लेता है।

(b) चार्वाक का देहात्मवाद भी अनुमान पर आधारित है।

(c) चार्वाक के प्रमाण विचार में विसंगतियां नहीं हैं।

(d) चार्वाक का प्रमाण विचार बहु-आयामी दृष्टिकोण प्रतीत करता है।

(23) → निम्नलिखित में कौन - सा कथन असत्य है?

(a) प्रत्यक्ष से अभ्रान्त अनिश्चयात्मक ज्ञान प्राप्त होता है।

(b) प्रत्यक्ष ज्ञान को प्रमाणित करने के लिए किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती।

(c) 'प्रत्यक्षे किम् प्रमाणम्' चार्वाक की प्रसिद्ध उक्ति है।

(d) अनुमान से अभ्रान्त ज्ञान सम्भव है।

(24) → 'मरणम् एवं अपवर्गः' किस ग्रन्थ की उक्ति है?

(a) बृहस्पति सूत्र (b) सांख्यकारिका

(c) शाण्डिल्य सूत्र (d) इनमें से कोई नहीं।

(25) → चार्वाक के अनुसार पुरुषार्थ कितने हैं?

(a) 2 (b) 3

(c) 4 (d) 5

उत्तर —

(1) b	(2) b	(3) c	(4) b	(5) d	(6) b	(7) b
(8) d	(9) d	(10) a	(11) c	(12) a	(13) c	(14) a
(15) b	(16) d	(17) b	(18) d	(19) a	(20) c	(21) d
(22) c	(23) d	(24) a	(25) b			

Scanned with CamScanner